Seventeenth Loksabha

p>

Title: Regarding permanent solution to flood situation in Dharbhanga Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री गोपालजी ठाकुर (दरभंगा): माननीय सभापति महोदया, माननीय लोक सभा अध्यक्ष जी स्वस्थ हो जाएं, मैं इसके लिए जगत-जननी माँ जानकी सीता जी से प्रार्थना करता हूँ ।

महोदया, आज बिहार दिवस के अवसर पर समस्त बिहारवासियों सहित देशवासियों को मैं हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ । आज राष्ट्रीय जल दिवस भी है । आपने मुझे मिथिला में स्थायी बाढ़ की समस्या से निदान के विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ ।

महोदया, मिथिला क्षेत्र में कोसी, कमला, गंडक, बलान, भूतही, करेह, अधवाड़ा आदि नदियाँ बहती हैं । बरसात के समय में ये नदियाँ उफान पर होती हैं और पूरे मिथिला में भारी विनाश करती हैं, जिस कारण इस क्षेत्र की लाखों की आबादी प्रभावित होती है और जान-माल का भी नुकसान होता है और किसानों की पूरी फसल बर्बाद हो जाती है ।

महोदया, मिथिला क्षेत्र से आप भी आती हैं । यह क्षेत्र कृषि पर आधारित है, लेकिन बाढ़ और सुखाड़ के कारण लगभग प्रति वर्ष फसलें बर्बाद होती रहती हैं, जिसके कारण अर्थव्यवस्था चरमरा जाती है । इन्हीं कारणों से उत्तर बिहार के करोड़ों लोगों को पलायन करना पड़ता है ।

माननीय सभापति: आपकी क्या मांग है, वह बताइए ।

श्री गोपालजी ठाकुर : यह बिहार की बहुत भारी समस्या है ।

आजादी के समय से अब तक करोड़ों लोग विभिन्न महानगरों को पलायन कर चुके हैं । श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में नदी से नदी को

जोड़ने की परिकल्पना की गई थी, जिसका क्रियान्वयन इस क्षेत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है । इसके साथ-साथ, नदियों का उड़ाहीकरण, नदियों पर डैम बनाकर पानी का उचित प्रबंधन करके बाढ़ और सुखाड़ जैसी विभीषिकाओं से मिथिला क्षेत्र को बचाया जाए ।

मैं आपके माध्यम से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री, नवभारत के विश्वकर्मा, जिन्होंने मिथिला क्षेत्र में एम्स, एयर पोर्ट और कोसी नदी पर महासेतु देकर और मिथिला के सर्वांगीण विकास में एक नया अध्याय लिखने वाले आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी और आदरणीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी से आठ करोड़ मिथिलावासियों को बाढ़ की समस्या से स्थायी निदान दिलाएं, क्योंकि मोदी है तो मुमकिन है । यह मैं आपसे आग्रह करता हूँ ।